साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 19 | गोंदिया : गुरुवार, 16 से 22 दिसम्बर 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

ओबीसी आरक्षण खत्म होने के लिए सभी राजनीतिक दल जिम्मेदार

एक-दूसरे पर कर रहे आरोप-प्रत्यारोप । ओबीसी हितैषी बनने की कर रहे नौटंकी

नवीन अग्रवाल – महाराष्ट्र में ओबीसी के राजकीय आरक्षण खत्म होने के लिए सभी राजकीय पक्ष समान रुप से जिम्मेदार है। लेकिन अब एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर ओबीसी की हितैषी बनने की नौटंकी जारी है।

गौरतलब है कि उच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार यह साफ हो गया है कि, राज्य में स्थानीय निकायों के चुनाव ओबीसी आरक्षण के बिना किए जाएंगे। जिसके लिए न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश भी दिया है। क्योंकि ६ दिसंबर को महाराष्ट्र सरकार के दिए आदेश पर उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाई गई है। जिसमें ओबीसी को २७ प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। न्यायालय ने बुधवार को सुनवाई में राज्य चुनाव आयोग को दोनों श्रेणियों ७३ प्रतिशत सामान्य सीटों और ओबीसी की २७ प्रतिशत सीटों को सामान्य सीटों के रुप में फिर से अधिसूचित कर चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि इसके परिणाम भी एक ही दिन में घोषित किए जाने चाहिए। इस संदर्भ में १ दिन के भीतर नई अधिसूचना जारी करने का भी निर्देश दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि न्यायालय के इस निर्देश से अब स्पष्ट हो गया है कि स्थानीय निकाय के चुनाव ओबीसी आरक्षण के बिना ही करवाना होगा। राज्य में ओबीसी का राजकीय आरक्षण खत्म होने के लिए सभी राजनीतिक दल समान रुप से जिम्मेदार हैं।

आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति

स्थानीय निकायों के चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी समाज को महाराष्ट्र में २७ प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। इस आरक्षण को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई थी। जिसके चलते ४ मार्च २०२१ को न्यायालय द्वारा ओबीसी आरक्षण को खत्म करने का आदेश दिया गया था। साथ ही ओबीसी आरक्षण को बरकरार रखना हो तो इसके लिए सरकार को इंपेरिकल डाटा जमा कराने की अवधि दी गई थी। किंतु इस दौरान न तो राज्य सरकार और न ही केंद्र सरकार द्वारा इंपेरिकल डाटा न्यायालय में जमा कराया गया। डाटा जमा करने के लिए राज्य सरकार द्वारा ओबीसी आयोग का गठन तो किया गया, लेकिन उसकी कार्यप्रणाली शुरु नहीं हो पाई। जिसके चलते समय पर डाटा जमा नहीं होने से स्थानीय निकायों में ओबीसी को दिया जाने वाला २७ प्रतिशत का आरक्षण सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रोका दिया गया। अब ओबीसी आरक्षण को लेकर सभी राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं। किंतु इस मामले में सभी समान रुप से जिम्मेदार हैं। जिसके चलते अब ओबीसी समाज को सभी राजनीतिक दलों की वास्तविकता से परिचित होना वर्तमान स्थिति में जरुरी हो गया है। क्योंकि राजनीतिक दल जाति-धर्म के नाम पर चुनावों के समय मतदाताओं के सामने आते हैं। लेकिन जब इस प्रकार का मामला सामने आता है तो कोई भी जिम्मेदारी लेकर कार्य करना नहीं चाहता। सब एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप ही करते हैं।

ओबीसी समाज के हितैषी बनने की नौटंकी शुरु

ओबीसी समाज का स्थानीय चुनाव में राजकीय आरक्षण खत्म होने के चलते सभी राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं ने अपने आप को ओबीसी समाज का सच्चा हितैषी साबित करने के लिए विभिन्न प्रकार की नौटंकी शुरु कर दी है। लेकिन किसी ने भी इस मामले में गंभीरता से पहल नहीं की। यदि सही अर्थों में सभी दल मिलकर इस मामले में प्रयास करते तो आज ओबीसी के आरक्षण के खत्म होने की स्थिति निर्माण नहीं हो पाती।

राजनीतिक दलों की भूमिका नकारात्मक

ओबीसी समाज के आरक्षण को लेकर सभी राजनीतिक दलों की भूमिका नकारात्मक रही है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा इंपेरिकल डाटा समय पर न्यायालय में पेश नहीं किया गया। जिसके चलते सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय में ओबीसी का राजकीय आरक्षण खत्म किया गया है। जिससे सभी राजनीतिक दलों व नेताओं की भूमिका पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है। सभी पक्षों ने मिलकर ओबीसी समाज के साथ विश्वासघात किया है। आगे भी ओबीसी को आरक्षण मिलेगा या नहीं इस पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है।

– **दिव्या भगत पारधी,** जिला महिला अध्यक्ष राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ गोंदिया

सभी राजनीतिक दलों ने ओबीसी समाज के साथ किया विश्वासघात

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी प्रवर्ग के स्थानों को खुला प्रवर्ग कर चुनाव करवाने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय केंद्र व राज्य सरकार की आपसी लड़ाई के चलते इंपेरिकल डाटा न्यायालय में नहीं देने के कारण हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा डाटा दिए जाने के लिए मना करना व मार्च महीने में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को निर्देश देने के बावजूद राज्य सरकार द्वारा डाटा तैयार करने के लिए लापरवाही बरतना इसका मुख्य कारण है। ओबीसी समाज के साथ सभी राजनीतिक दलों ने विश्वासघात किया है। इसमें सभी पक्ष शामिल है। राज्य में भाजपा सरकार के समय भी यह प्रश्न प्रलंबित था तथा महाविकास आघाडी सरकार में भी उसी प्रकार की परिस्थिति निर्माण हुई है। जिससे अब ओबीसी को अपना हक व अधिकार के लिए राजकीय पक्ष के सामने अपना विषय मजबूती से रखना जरुरी हो गया है।

– **खेमेंद्र कटरे,** संयोजक, ओबीसी अधिकार संघ मंच गोंदिया

अज्ञात वाहन ने दुपहिया को मारी टक्कर

एक छात्र की मौत दो गंभीर जख्मी

बुलंद गोंदिया – गोंदिया जिले के देवरी तहसील की मनोहरभाई पटेल विद्यालय के तीन छात्र दुपहिया वाहन से सिरपुर बांध से विद्यालय की ओर आ रहे थे। इसी दौरान राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक ६ भरेगांव / नैनपुर के समीप अज्ञात वाहन द्वारा दुपहिया को पीछे से जबरदस्त टक्कर मार दी। जिसमें एक छात्र की मौत हो गई व दो गंभीर रुप से जख्मी हो गए।

गौरतलब है कि राज्य में चल रही परिवहन विभाग बसों की हड़ताल के चलते विद्यालय में समय पर पहुंचने के लिए सिरपुर बांध निवासी ३ विद्यार्थी कक्षा १२वीं में पढ़ने वाले पुनीत सुनील मांडरे (१८), नेहा राजू शेंडे (१७) व ज्योति अनिल मांडरे (१७) यह दुपहिया वाहन क्रमांक एमएच३५ जे३५४३ से देवरी स्थित मनोहरभाई पटेल महाविद्यालय में आने के लिए सुबह ७.०० बजे के दौरान निकले। इसी दौरान राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक पर आने वाले भरेगांव-नैनपुर मोड़ के समीप पीछे से आने वाले अज्ञात वाहन द्वारा दुपहिया वाहन को जबरदस्त टक्कर मार दी। इस हादसे में कक्षा १२वीं में पढ़ने वाले विद्यार्थी पुनीत मांडरे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई व २ विद्यार्थी नेहा शेंडे व ज्योति मांडरे गंभीर रुप से जख्मी हो गए। जिन्हें उपचार के लिए देवरी के ग्रामीण चिकित्सालय में दाखिल कराया। जानकारी मिलते ही देवरी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरु की है।

छात्रा को सिमेंट के ट्रक ने कुचला घटनास्थल पर ही मौत

रिंग रोड के अवंतीबाई चौक पर हुआ हादसा

बुलंद गोंदिया – गोंदिया शहर के रिंग रोड अवंतीबाई चौक पर १४ दिसंबर की सुबह ९ से १० बजे के दौरान साइकिल से स्कूल की ओर जा रही कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा पायल महेस मस्करे तेज गति से लापरवाही पूर्ण तरीके से सीमेंट से भरे ट्रक के चालक द्वारा कुचल दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम भडंगा निवासी पायल महेश मस्करें गोंदिया के ग्राम कटंगी में अपने मामा के रहकर पढ़ाई कर रही थी। घटना के दिन कटंगी से स्कूल जाने के लिए साइकिल से निकली थीं। जिसके रानी अवंतीबाई चौक के समीप पहुंचते ही विपरीत दिशा से आ रहे सीमेंट से भरे ट्रक क्रमांक एम एम३५ एजे१४१९ के चालक द्वारा लापरवाही पूर्ण तरीके से चलाते हुए उसे कुचल दिया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि रिंग रोड अवंतीबाई चौक परिसर में आए दिन गंभीर हादसे घटित होते रहते हैं। इसके पूर्व भी अनेक घटित दुर्घटना में अनेक लोगों की जान जा चुकी है तथा काफी लोग गंभीर रुप से जख्मी भी हो चुके हैं। जिससे उपरोक्त क्षेत्र में पुलिसकर्मियों की नियुक्ति होने के साथ ही बैरिकेट्स लगाना भी अनिवार्य है। क्योंकि रिंग रोड से भारी वाहन लापरवाही पूर्ण तरीके से तेज गति से चलाए जाते हैं। उपरोक्त मामले की जानकारी रामनगर पुलिस को मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक के शव का पोस्टमार्टम के लिए शासकीय जिला चिकित्सालय में भेजा गया व आगे की जांच शुरु की गई।

रानी अवंती बाई चौक पर यातायात पुलिस बुथ करें शुरु

जिला यातायात शाखा को दिया निवेदन

बुलंद गोंदिया – रानी अवंतीबाई चौक रिंग रोड हाईवे से जुड़ा हुआ है। जहां हमेशा चारों ओर से वाहनो का आवागमन लगा रहता हैं। इस वजह से इस पॉईंट पर हमेशा हादसे होते रहते हैं। १४ दिसंबर की सुबह १० बजे भी एक छात्रा की ट्रक के नीचे आकर मौत हो गयी है। इस कारण परिसर के नागरिकों के मन में डर का माहौल बना हुआ है। इसके पहले भी यह पॉईंट हादसों का हॉटस्पॉट है इसलिए इस चौक पर बैरिकेट लगाए जाए तथा यातायात पुलिस बूथ की व्यवस्था भी की जाए। जिस वजह से पुलिस कर्मचारियों को भी धूप बारिश ठंडी से संरक्षण मिले और ट्राफिक कंट्रोल करने में भी उनको आसानी हो। इस वजह से भविष्य में होने वाले हादसे भी रोकने में भी मदद होगी। जिसके वजह से रानी अवंतीबाई चौक रिंग रोड चौक पर पुलिस बुथ व स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की गई। अगर यह मांग पूरी नहीं होती तो परिसर के नागरिकों के द्वारा आंदोलन की चेतावनी दी। निवेदन देने के अवसर पर शहर के सामाजिक कार्यकर्ता सूरज नशीने, दिव्या भगत पारधी, हरीश अग्रवाल, डॉ. सविता बेदरकर, प्रफुल जैस्वाल, शिखा पिपलेवार, शारदा सोनकनवरे उपस्थित थे।

विनयभंग आरोपी को २ वर्ष का कारावास

बुलंद प्रतिनिधी – रावणवाड़ी पुलिस थानांतर्गत ग्राम झिलमिली में एक महिला के साथ उसी के मकान में आरोपी द्वारा विनयभंग किए जाने की घटना १३ जून २०१५ को घटित हुई थी। इस मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए आरोपी को २ वर्ष का कारावास और २ हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। इस संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार रावणवाड़ी पुलिस थानांतर्गत ग्राम झिलमिली में फरियादी महिला अपनी बेटी के साथ घर में सोई हुई थी। इस दौरान आरोपी नंदलाल मंगल फरकुंडे ने उसके घर में प्रवेश कर उसका विनयभंग किया। फरियादी महिला की शिकायत पर १३ जून २०१५ को रावणवाड़ी पुलिस थाने में धारा ३५४, ४५२ के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच एसडीपीओ नखाते ने की। सरकारी वकील महेश चांदवानी ने गवाहों को न्यायालय में पेश किया। जिस पर जिला सत्र न्यायालय के न्यायाधीश एन.बी.लवटे ने आरोपी को २ वर्ष का कारावास व २ हजार रुपए का जुर्माने की सजा सुनाई है।

महिला पुलिसकर्मी ने लगाई फांसी, मामला संदिग्ध

सालेकसा पुलिस थाने में थीं कार्यरत

बुलंद गोंदिया – सालेकसा पुलिस थाने में कार्यरत महिला पुलिसकर्मी ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने की घटना ९ दिसंबर को सुबह ११.३० बजे के दौरान सामने आयी। जिससे पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। आत्महत्या का कारण पि१लहाल स्पष्ट तो नहीं हुआ है, लेकिन मामला संदिग्ध बताया जा रहा है। मृतक महिला पुलिसकर्मी का नाम ज्योति यशवंत बघेले (२८) बताया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्योति बघेले सालेकसा पुलिस थाने में महिला पुलिस सिपाही के पद पर कार्यरत थी। उसका विवाह वर्ष २०१७ में पांढरी पाऊलदौना निवासी रमेश गिरिया से हुआ था। पति रमेश गिरिश भी सालेकसा पुलिस थाने के सी-६० पथक में कार्यरत है। दोनों पति-पत्नी ढाई वर्ष बेटे व अपने पिता के साथ सालेकसा में किराए के मकान में रहते थे। प्रतिदिन की तरह दोनों पति पत्नी अपने-अपने कार्यस्थल पर तैनात होने गए थे। जब ज्योति सालेकसा पुलिस थाने में कार्य कर रही थी कि इसी दौरान वह अपने कमरे में चली गई। बाद में पता चला कि उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। जानकारी मिलते ही सालेकसा पुलिस मौके पर पहुंची और ज्योति को फांसी के फंदे से नीचे उतारकर ग्रामीण अस्पताल सालेकसा में उपचार के लिए पहुंचाया। उसकी स्थिति गंभीर होने से आगे के उपचार के लिए गोंदिया शहर के एक निजी चिकित्सालय में रेफर किया गया। किंतु डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गोंदिया मेडिकल कालेज में ज्योति का शव पोस्टमार्टम के लिए लाया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का खुलासा हो सकेगा। किंतु आत्महत्या किस वजह से की है, इसकी जानकारी फिलहाल नहीं मिली है। लेकिन आत्महत्या के मामले को संदिग्ध रुप से देखा जा रहा है। सालेकसा पुलिस ने विभिन्न दिशाओं से जांच शुरु कर दी है।

महाकाल सेवा समिति ने पार्षद मिश्रा का किया आभार व्यक्त

बुलंद गोंदिया – गोंदिया शहर के प्रभाग क्रमांक १७ की पार्षद निर्मला दिलीप मिश्रा द्वारा श्री महाकाल भवन का निर्माण कार्य पुन: शुरु किए जाने पर श्री महाकाल सत्संग सेवा समिति द्वारा पुष्पगुच्छ देकर आभार व्यक्त किया गया। साथ ही पार्षद निर्मला मिश्रा के द्वारा प्रभाग के विभिन्न कार्य निरंतर शुरु है। जिसमें नालियों की सफाई, स्वच्छता, मार्गों का निर्माण प्रभाग में विभिन्न सामाजिक कार्य व भवन का निर्माण भी उनके द्वारा किया गया है। साथ ही महाकाल भवन का निर्माण कार्य पुन: शुरु होने के चलते महाकाल सत्संग सेवा समिति द्वारा उनके निवास स्थान पर पहुचकर पुष्पगुच्छ देकर आभार व्यक्त किया।

संपादकिय

यह कैसी एकजुटता

महाराष्ट्र में ममता बनर्जी के तेवर से विपक्ष में ही क्यों दिख रही तिलमिलाहट

तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस को लगभग खारिज करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि सभी क्षेत्रीय पार्टियां साथ आ जाएं तो बीजेपी को आसानी से हराया जा सकता है। ममता का ताजा बयान उनकी उस आक्रामक नीति का ही हिस्सा है जिसके तहत उनकी पार्टी अब सारे संकोच त्यागकर कांग्रेस के घर सेंध लगाने में जुटी दिख रही है।

बीजेपी के खिलाफ विपक्ष का मोर्चा मजबूत करने की मुहिम पर निकलीं तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बनर्जी ने महाराष्ट्र में जो आक्रामक तेवर दिखाए, उससे सत्तारुढ़ पक्ष के बजाय विपक्षी खेमे में ही ज्यादा तिलमिलाहट दिख रही है। दो दिन की यात्रा पर महाराष्ट्र पहुंचीं ममता ने एक सवाल के जवाब में कहा, कैसा यूपीए?, कोई यूपीए नहीं है अबा्य कांग्रेस पार्टी और उसके नेतृत्व पर सीधा हमला बोलते हुए वह यहां तक कह गईं कि ज्यादातर समय विदेश में बिताते हुए आप राजनीति नहीं कर सकते। जाहिर है, उनका इशारा राहुल गांधी की तरफ था। बीजेपी यही बात कहते हुए अक्सर राहुल पर निशाना साधती रही है।

बहरहाल, कांग्रेस को लगभग खारिज करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि सभी क्षेत्रीय पार्टियां साथ आ जाएं तो बीजेपी को आसानी से हराया जा सकता है। ममता का ताजा बयान उनकी उस आक्रामक नीति का ही हिस्सा है जिसके तहत उनकी पार्टी अब सारे संकोच त्यागकर कांग्रेस के घर सेंध लगाने में जुटी दिख रही है। कुछ दिनों पहले जब कांग्रेस नेता सुष्मिता देव ने तृणमूल जॉइन किया था तो उसे लेकर पार्टी के नेता बचाव की मुद्रा में दिख रहे थे।

तृणमूल नेताओं का कहना था कि इसे कांग्रेस के खिलाफ कदम के रुप में नहीं देखा जाना चाहिए। लेकिन उसके बाद हाल में कांग्रेस के कई नेता तृणमूल में चले गए और खुद ममता बनर्जी ने बयान दिया कि बीजेपी से लड़ने की इच्छा रखने वाले हर नेता का वह स्वागत करेंगी। साफ है कि पार्टी की रणनीति में यह नया बदलाव है। वैसे हर पार्टी को अपने विस्तार की कोशिश करने और उसके लिए अपना रास्ता चुनने का अधिकार है और जहां तक कांग्रेस के खिलाफ दिए गए तृणमूल चीफ के बयान का सवाल है तो उसका जवाब देना कांग्रेस नेताओं का काम है।

लेकिन अगर सत्तारुढ़ बीजेपी को उखाड़ फेंकने के लिए विपक्ष की ताकत को एकजुट करने के घोषित मकसद के लिहाज से देखा जाए तो इस रणनीति का दूर तक जाना मुश्किल लगता है। आज की गिरी हुई स्थिति में भी कांग्रेस न केवल विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है बल्कि करीब २० फीसदी वोट भी उसके पास हैं। ममता के संभावित रुख का अंदाजा एनसीपी को पहले से ही था। शायद इसीलिए एनसीपी के प्रवक्ता ने ममता-पवार मुलाकात के एक दिन पहले ही कहा कि कांग्रेस को छोड़कर विपक्ष की किसी पहल के बारे में नहीं सोचा जा सकता।

बैठक के बाद भी ममता के मुकाबले पवार का रुख संतुलित था। बावजूद इसके, दोनों नेताओं की इस पहल का मर्म यही है कि पहले गैर कांग्रेस, गैर बीजेपी दलों का एक ग्रुप बन जाए, फिर वह ग्रुप कांग्रेस से बारगेन करे। चाहे जितना भी घुमा-फिराकर करें, पर तीसरे मोर्चे की यह काठ की हांडी फिर से चूल्हे पर चढ़ाने की कोशिश मौजूदा हालात में नादानी ही कहलाएगी।

आज की बात

तमन्ना मतलानी
गोंदिया

हमारी अंतरात्मा ही हमारी सच्ची मित्र है...

संसार में आया हुआ प्रत्येक व्यक्ति सांसारिक मोह-माया से स्वयं को दूर नहीं रख सकता है। प्रत्येक व्यक्ति के द्वारा नित्य प्रति कोई न कोई अच्छा कार्य करने का प्रयास किया जाता है। हम हमेशा चाहते हैं कि किसी का भला कर सकें पर कई बार अनजाने में ही हमारे द्वारा कुछ ऐसा कार्य हो जाता है जिसे हम करना नहीं चाहते है। अब मन में एक प्रश्न आता है कि आखिर हमें कैसे मालूम हो जाता है कि अनजाने में ही हमसे कोई भूल या गलती हो गई है। इसका सबसे सरल जवाब हमारी अंतरात्मा से आई हुई आवाज का सुनाई देना है। हम कोई भी कार्य दुनिया की नजरों से छिपा कर करें लेकिन हम अपनी अंतरात्मा से कुछ भी छिपा नहीं सकते।

पुराने समय का एक फिल्मी गीत है, **तेरी आत्मा के अंदर परमात्मा है प्यारे...**। यह गीत आज के आधुनिक युग में भी जीवंत लगता है क्योंकि इस गीत में आत्मा और परमात्मा के मिलन का उल्लेख एक ही शरीर में किया गया है।

आज के इस लेख के शीर्षक के अनुसार हमारी अंतरात्मा ही हमारी सच्ची मित्र है क्योंकि अंतरात्मा कभी भी हमें गलत राह पर जाने नहीं देती। जिस व्यक्ति की आध्यात्मिकता की शक्ति जागृत है वह कभी भी गलत राह पर चल ही नहीं सकता ।

हमने कई बार यह भी आभास किया होगा कि जब हम कोई काम करने का निर्णय लेते हैं तो मन में एक जुनून होता है कि यह काम हमें हर हाल में पूर्ण करना ही है लेकिन जब हम कार्य को करने जाते हैं तो हमारी अंतरात्मा से एक आवाज आती है कि हमें इस कार्य को नहीं करना चाहिए या इस काम को करने से पूर्व एक बार फिर से विचार अवश्य करना चाहिए।

उस समय यदि हम अंतरात्मा की आवाज सुनकर कार्य को स्थगित कर देते है और कुछ समय के पश्चात हमे यह जानकारी मिलती है कि जो कार्य हम करने जा रहे थे वह तर्कहीन या गलत था अथवा उस कार्य को करने से हमें बहुत बड़ी हानि हो सकती थी। इसी उदाहरण से हम समझ सकते हैं कि हमारी अंतरात्मा ही हमारा सच्ची मित्र है जिसने हमें वक्त रहते ही उस कार्य को न करने का निर्णय लेने हेतु विचार करने के लिए प्रेरित किया।

कई बार हम किसी की मदद इस कारण से नहीं करते हैं कि सामने वाला व्यक्ति हमें बेवकूफ बना रहा है अथवा मन में यह आभास होता है कि सामने वाला व्यक्ति हमें धोखा देना चाहता है और हम इस ख्याल मात्र से ही जरुरतमंद की मदद को भी अनदेखा कर देते हैं। मदद के लिए मना करने के पश्चात् अचानक हमारी अंतरात्मा हमें पुकारती है कि हमने एक सच्चे और जरुरतमंद व्यक्ति की मदद नहीं की है, बस इसी एक पल में हम अपनी अंतरात्मा की आवाज पर उस व्यक्ति की मदद करने के लिए दौड़े चले जाते हैं। सही है मित्रों, कि हमारी अंतरात्मा हमें कई बार एक मित्र की तरह सही रास्ता दिखा कर उस पर चलना भी सिखा देती है। इसलिए ही तो हमारी अंतरात्मा हमारी सच्ची मित्र है।

कई बार कुछ लोग व्यापार में नुकसान खाकर या असफल होकर और विद्यार्थी वर्ग परीक्षा में मनचाहा या अपेक्षित परिणाम न पाकर टूट से जाते हैं और अपने जीवन से निराश होकर बैठ जाते हैं ठीक उसी समय अंधेरे में एक जुगनू के समान जगमगाती हुई हमारी अंतरात्मा की आवाज हमारे कानों में गुंजायमान होती है। वास्तव में यही हमारी अंतरात्मा याने कि परमात्मा की आवाज होती है। हमारी अंतरात्मा हमें प्रेरित करती है कि अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है अगर हम पुरुषार्थ से, हिम्मत से और सच्ची लगन से अपने कार्य को करते हैं तो दुनिया की कोई ताकत तुम्हें असफल नहीं बना सकती और मन से यह भाव अनायास ही निकल आते हैं कि...

चल उठ तू कदम बढ़ा
हिम्मत न छोड़ तू...
कहीं झुक जाना नहीं
कहीं थक जाना नहीं
अन्याय के आगे तू सर झुकाना नहीं
चल उठ तू कदम बढ़ा...
संघर्षों के आगे मंजिल खड़ी है
तेरी तो बस राह यही है
हारना नहीं बस जीतना ही तुझे है
चल उठ तू कदम बढ़ा...
सत्य का साथ कभी छोड़ना नहीं
तमन्ना मेरी है
यही मुकाम हासिल हो तुमको सही
चल उठ तू कदम बढ़ा...

बस यही एक आवाज हमारा जीवन बदल देती है। हम फिर से पूरे आत्मविश्वास के साथ असफलता को सफलता में परिवर्तित करने के लिए उठ खड़े होते हैं और मनचाही सफलता हासिल कर लेते है।

मित्रों, जिस किसी व्यक्ति के साथ अगर इस प्रकार से कोई घटना घटित हुई है तो वह यह समझ ले कि उसकी आत्मा के अंदर परमात्मा का वास है जो हमें न कभी भी हारने देगा, न ही कभी असफल होने देगा बल्कि एक सच्चे मित्र की तरह हमेशा अंतरात्मा की आवाज बनकर हमारे साथ ही रहेगा।

अंत में मैं केवल इतना ही कहना चाहूंगी कि जब आपके साथ ऐसा कोई वाक्या हुआ है तो यह निर्णय आप ही कीजिए कि आपकी अंतरात्मा आपकी सच्ची मित्र है या नहीं...?

११ से १७ दिसंबर तक जिले में सिकलसेल रोग नियंत्रण सप्ताह

बुलंद गोंदिया – जिले में ११ से १७ दिसंबर तक सिकलसेल रोग नियंत्रण सप्ताह मनाया जा रहा है। इस सप्ताह सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप-केंद्र, ग्रामीण अस्पताल, उप-जिला अस्पताल ग्रामस्तर पर नि:शुल्क सिकलसेल जांच शिविर का आयोजन होगा। यह जानकारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन कापसे ने दी है।

१ से ३० वर्ष की आयु के सभी व्यक्तियों के लिए नि:शुल्क सिकलसेल स्क्रीनिंग, सिकलसेल रोग नियंत्रण कार्यक्रम के बारे में उनका मार्गदर्शन करने के लिए आएगा। सभी मरीजों को नि:शुल्क दवा व परामर्श दिया जाएगा। संजय गांधी निराधार योजना के तहत सिकलसेल रोगियों को १ हजार रु. प्रतिमाह के साथ ही दवाएं व रक्त आपूर्ति, परामर्श, १०वीं और १२वीं कक्षा परीक्षा के समय में २० मिनट प्रति घंटा की लंबी अवधि दी जाती है। सिकलसेल रोगियों के इलाज के लिए बस यात्रा में छूट दी जाती है। सिकलसेल एक अनुवांशिक बीमारी है। सिकलसेल रोग का कोई इलाज नहीं है, लेकिन नियंत्रण संभव है। सिकलसेल रोगी की नियमित और संतुलित व विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। युवा आगे आएं और सिकलसेल सोल्यूबिलिटी जांच करवाये, ऐसी अपील जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन कापसे ने की है।

अलविदा जनरल : पूरा देश दे रहा सीडीएस रावत को श्रद्धांजलि

देश के पहले सीडीएस के रुप में उन्होंने भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और एकीकरण (थिएटराइजेशन) की भी प्रक्रिया शुरु करवाई। हालांकि ये दोनों कार्य आसान नहीं थे, इनमें कई सारी जटिलताएं थीं। इसलिए ये प्रक्रिया तेजी से नहीं आगे बढ़ पा रही थी, लेकिन अपनी प्रकृति के अनुरुप जनरल रावत एक-एक कर के सभी मुश्किलें दूर करने में लगे हुए थे।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में हुई असामयिक मौत ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। उनकी अगुआई में सेना एक साथ दो सरहदों पर तनाव से उपजी असाधारण चुनौतियों का बड़ी कुशलता से सामना कर रही थी। देश के पहले सीडीएस के रुप में उन्होंने भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और एकीकरण (थिएटराइजेशन) की भी प्रक्रिया शुरु करवाई। हालांकि ये दोनों कार्य आसान नहीं थे, इनमें कई सारी जटिलताएं थीं। इसलिए ये प्रक्रिया तेजी से नहीं आगे बढ़ पा रही थी, लेकिन अपनी प्रकृति के अनुरुप जनरल रावत एक-एक कर के सभी मुश्किलें दूर करने में लगे हुए थे।

उन्होंने ठान रखा था कि बतौर सीडीएस कार्यकाल पूरा होने तक इन दोनों प्रक्रियाओं को एक मुकाम तक जरुर पहुंचा देंगे। जनरल रावत अप्रिय होने का जोखिम उठाकर भी कड़े फैसले लेने के लिए जाने जाते थे। वह खुलकर अपनी बात रखने में यकीन रखते थे। इस वजह से उनके कुछ बयानों को लेकर जब-तब विवाद भी होते रहे। उदाहरण के लिए सीएए विरोधी आंदोलन के दौरान दिए गए उनके बयान को न केवल अनावश्यक बल्कि उनके कार्यक्षेत्र का उल्लंघन भी बताया गया। ऐसे ही जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों की लिंचिंग को सही ठहराने वाले उनके बयान से भी सहमति नहीं जताई जा सकती। वायु सेना को आर्मी की एक सहायक शाखा बताने वाला उनका बयान भी सैन्य हलकों में बेवजह असंतोष पैदा करने वाला माना गया।

इन सबके बावजूद जनरल बिपिन रावत अपनी रणनीतिक क्षमता, अपने विजन और व्यापक अनुभव की बदौलत कठिन चुनौतियों के बीच सेना का सफलतापूर्वक मार्गदर्शन करते रहे। उन्हें नॉर्थन और ईस्टर्न दोनों कमांड में काम करने का अनुभव था। इसके अलावा वह सदर्न कमांड का भी नेतृत्व कर चुके थे। वह जम्मू कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट दोनों जगहों पर काउंटर इंसर्जेंसी ऑपरेशंस का हिस्सा रहे थे और १९८७ में सुमदोरॉन्गचू में पीपल्स लिबरेशन आर्मी से हुई झड़प के दौरान उनकी बटालियन अरुणाचल प्रदेश में एलएसी पर तैनात थी। ऐसे साहसी, अनुभव संपन्न और दूरदर्शितापूर्ण जनरल का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में इस तरह चला जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

हालांकि कुछ हलकों से साजिश की आशंका भी व्यक्त की गई है, लेकिन ऐसे संवेदनशील मामलों में किसी भी तरह की कयासबाजी से बचा जाना चाहिए। हां किसी तरह के संदेह के लिए गुंजाइश भी नहीं छोड़ी जानी चाहिए। दुर्घटना के हालात की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। घटनास्थल से ब्लैकबॉक्स और वॉयस रिकॉर्डर भी बरामद हो चुके हैं। इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि जांच में इस मामले का पूरा सच सामने आ जाएगा और ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम यथाशीघ्र उठाए जाएंगे। फिलहाल पहली जरुरत जनरल बिपिन रावत की जगह किसी अन्य काबिल ऑफिसर को सीडीएस पद पर नियुक्त करने की है ताकि सेना का यह सर्वोच्च पद अधिक समय तक खाली न रहे। अच्छी बात है कि यह प्रक्रिया शुरु कर दी गई है।

सभी शहीद सैन्य अफसरों को दी श्रद्धांजलि

बुलंद गोंदिया – भारतीय सेना के प्रमुख सीडीएस बिपिन रावत व हेलीकॉप्टर दुर्घटना में शहीद हुए सैन्य अफसरों को हिंदुस्तान स्काउट गाइड द्वारा फूलचूर मार्ग स्थित शिवाजी चौक पर शोक सभा आयोजित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर हिंदुस्तान स्काउट गाइड के महाराष्ट्र प्रदेश सचिव पंकज चौरागढे, देवेश मिश्रा, मिलन लिल्हारे, हर्षल पवार, अमित हारोड़े, पुरुषोत्तम मेश्राम, अमित बड़वाईक, संदीप मिश्रा, गणेश पटले ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए विचार व्यक्त किए तथा इस शोक सभा में हिंदुस्तान स्काउट गाइड के अनेक पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी व नगर परिषद के तत्वाधान में शेल्टर में होम कंबल वितरण

बुलंद गोंदिया – इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी गोंदिया जिला द्वारा नगर परिषद गोंदिया के तत्वाधान मे संचालित बेघर नागरिक संरक्षण केंद्र, सावली शेल्टर होम, न.प.सिविल लाइंस प्राईमरी स्कूल मे लगभग ३० लाभार्थियों को ठंड से बचाव हेतु कंबल वितरण किया गया। रेडक्रॉस सोसायटी के मानद सचिव रवि कासलीवाल की अध्यक्षता मे आयोजित इस कार्यक्रम में मैनेजर धनराज बनकर ने प्रस्तावना एवं कोषाध्यक्ष नरेश गुप्ता ने रेडक्रॉस के सामाजिक योगदान की जानकारी दी। कार्यक्रम में राजेश दवे, प्रो.प्रकाश धोटे, आशीष चौहान, त्रिशा चटर्जी, पी.पी.कुथेकर, राजेंद्र लिल्हारे, रविंद्र बोरकर, प्रदीप गणवीर, अभिलाषा, ओम गुप्ता व अन्य अतिथियों के हाथों कंबल वितरण किया गया। नगर परिषद गोंदिया द्वारा रेडक्रॉस सोसायटी गोंदिया के मानद सचिव रवि कासलीवाल को उत्कृष्ट योगदान के लिए सन्मानपत्र बनकर ने प्रदान किया। आभार प्रदर्शन आशीष चौहान ने किया। राष्ट्र गीत के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ। भविष्य में इस केंद्र को रेडक्रॉस परिवार द्वारा अन्य जीवनोपयोगी प्रकल्प मे सहयोग देने का आश्वासन दिया गया।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : कार्यक्षेत्र पर किसी मुश्किल समस्या का समाधान करने से आपकी प्रतिष्ठा में इजाफा होगा। यात्राओं से अच्छा व्यापार मिलने की संभावना है। इस सप्ताह आर्थिक रुप से आप खुद को बेहतर स्थिति में पाएंगे। अपने किसी ड्रीम प्रोजेक्ट में निवेश करने की योजना बना सकते हैं। घर का माहौल शांत और खुशनुमा रहेगा। दोस्तों और करीबियों के आपके घर आने से घर की रौनक बढ़ेगी। प्रेम संबंधों को लेकर ये सप्ताह संतोषजनक रहेगा।

वृषभ : सेहत से जुड़ी किसी समस्या में घरेलू उपचार अपनाना फायदेमंद साबित होगा। इस सप्ताह समाज में आपकी लोकप्रियता काफी बढ़ सकती है। करियर के लिए यह सप्ताह काफी उत्कृष्ट साबित होगा। करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा रहेगा। एक-दूसरे के साथ समय बिताने से साथी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। इस सप्ताह आपके शुभचिंतक आपका सहयोग करेंगे।

मिथुन : कार्यक्षेत्र पर कोई आपकी उपलब्धियों की प्रशंसा कर सकता है। विदेश यात्राओं के योग बन रहे हैं। किसी विशेष व्यक्ति से विदेश जाकर मिलने की इच्छा जल्दी ही पूरी होने की संभावना है। इस सप्ताह आप में से कुछ लोग प्रोफेशनली खुद को बेड़ियों में जकड़ा हुआ और असहाय महसूस कर सकते हैं, जो निराशाजनक साबित हो सकता है। किसी लोन को पास कराने में आ रहीं समस्याओं के चलते लोन का विचार छोड़ने की सोच सकते हैं। इस हफ्ते व्यवसाय करने वाले लोगों को विवेकपूर्ण तरीकों से खर्च करने की आवश्यकता है।

कर्क : धन संबंधित मामलों को लेकर सतर्क रहने की जरुरत है। इस सप्ताह धन संबंधित चली आ रही समस्या को सुलझाने के लिए समय देने की आवश्यकता होगी। माता-पिता या बुजुर्ग आप पर किसी ऐसे काम को करने का दबाव बना सकते हैं जिसे आप सहमत नहीं होंगे। थकान के चलते सुस्ती महसूस कर सकते हैं। आपका साथी इस सप्ताह कुछ समय अकेले रहना चाहते हैं, इसलिए उसकी भावनाओं का सम्मान करें। पढ़ाई में आपसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है।

सिंह : शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए अच्छा समय चल रहा है। कोई ऑफिस में आपके कार्यभार को साझा करने की पेशकश कर सकता है। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, अपने साथी के साथ समय बिताना और गिफ्ट देना संतोषजनक साबित होगा। विदेश यात्रा पर जाना मजेदार साबित होगा। रियल स्टेट से जुड़े लोग किसी अच्छी डील को करने में कामयाब होंगे। घर पर कुछ बदलावों के करने के आपके सुझाव का सभी लोग स्वागत करेंगे।

कन्या : कार्यक्षेत्र पर मिलनसार और सौहार्दपूर्ण वातावरण के चलते अच्छा करने को प्रेरित होंगे। धन संबंधित मामलों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, जल्द ही कोई आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। अपनी पसंदीदा चीजों पर खर्चा करना संतोषजनक साबित होगा। घर के कामों में मदद करने के आपके स्वभाव की सभी तारीफ करेंगे। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम अधिकांश शारीरिक बीमारियों को दूर रखने में मददगार साबित होगा।

तुला : इस हफ्ते चाहे कोई आपके साथ कितना ही गलत कर ले, पर आप उसे माफ करने के मूड में रहेंगे। समाज में आपके द्वारा किए गए प्रयासों की सभी सराहना करेंगे जिसके चलते आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और पहचान मिलेगी। सैलरी में बढ़ोतरी के आपके अनुरोध को सहानुभूति के सुना जा सकता है। किसी को उधार दिया हुआ पैसा तुरंत वापस मिल जाएगा। पुराने दोस्तों से मिलकर और पुरानी यादें ताजा होंगी।

वृश्चिक : काम को लेकर आपके सर्वश्रेष्ठ व्यवहार के चलते किसी महत्वपूर्ण कार्य के अच्छी तरह से पूरा होने की संभावना है। किसी खानदानी विरासत के मिलने में समय लग सकता है, इसलिए खुद पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों के लिए समय थोड़ा कठिन चल रहा है। अपने साथी के साथ संबंधों को मजबूत करने की कोशिश करें। नवविवाहित जोड़े एक-दूसरे के साथ समय बिताकर अच्छा महसूस करेंगे। यात्राओं के योग बन रहे हैं। मनपसंद जगह घूमने का मौका मिल सकता है।

धनु : प्रोफेशनली ये सप्ताह आपके लिए उत्कृष्ट साबित होगा। धनलाभ के योग बन रहे हैं। कुछ समय पहले शुरु किए गए किसी व्यवसाय से लाभ मिलने की संभावना है। आप किसी ऐसे व्यक्ति का सही मार्गदर्शन करने में सफल होंगे, जो आप पर पूरा विश्वास कर रहा है। किसी पार्टी या समारोह के निमंत्रण से आपको लोगों से मिलने और अपने व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है।

मकर : पढ़ाई में दूसरों से आगे निकलने के लिए देर रात मेहनत करने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र पर अपने अधिकारों को बांटना काम करने का सही तरीका साबित होगा जिसके चलते आप पर काम का बोझ कुछ कम होगा। प्रोफेशनली अपने काम को लेकर सतर्क रहें और कोई भी गलती न छोड़ें। इस सप्ताह खुशखबरी आपका इंतजार कर रही है। शेयर मार्केट में खोया हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। सरप्राइज गिफ्ट और कैंडल लाइट डिनर से अपने साथी को प्रभावित करेंगे।

कुंभ : प्रोफेशनल्स और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोग अतिरिक्त कार्यभार को कुशलता से पूरा करने में सफल होंगे। कार्यक्षेत्र पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते उच्च अधिकारियों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब होंगे। किसी सामाजिक काम के लिए पैसों का इंतजाम करने में मेहनत करनी पड़ सकती है। प्रॉपर्टी के किसी विवाद के चलते भाई-बहनों के खिलाफ खड़ा होने की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि आप समय रहते ही इस समस्या का सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान ढूंढने की कोशिश करें।

मीन : अपने उत्कृष्ट बातचीत कौशल के चलते इस सप्ताह हर किसी को प्रभावित करने में सफल होंगे। पिछले किए गए किसी निवेश के अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। यात्राओं पर जाने के योग बन रहे हैं। शहर से बाहर परिवार के साथ किसी यात्रा पर जाना मजेदार साबित होगा। कुछ खास हासिल करने का लक्ष्य रखने वालों को कोई नहीं रोक सकता। रोमांस के लिए ये सप्ताह संतोषजनक साबित होगा। अपने साथी के कैंडल लाइट डिनर पर जाकर रोमांचित महसूस करेंगे।

वैक्सीन के दोनों डोज नहीं लेने पर नहीं मिलेगा वेतन

प्रशासन के कड़े निर्देश

बुलंद गोंदिया – गोंदिया जिले में कोरोना संक्रमण का प्रमाण कम हो चुका है, किंतु अभी खतरा टला नहीं है। वर्तमान स्थिति में कोरोना के संभावित तीसरे चरण ओमीक्रोन वेरिएंट का राज्य में बढ़ता संक्रमण व मरीजों की संख्या को देखते हुए जिले में आवश्यक उपाय योजना प्रभावी रुप से प्रशासन द्वारा की जा रही है। इसी के अंतर्गत प्रशासन द्वारा कड़े निर्देश जारी करते हुए जिले के सभी शासकीय विभाग प्रमुखों को निर्देश दिया कि कार्यालय में कार्य करने वाले सभी अधीनस्थ कर्मचारी व अधिकारियों के कोविड-१९ टीकाकरण पूर्ण होने का प्रमाणपत्र जिला कोषागार में भेजा जाए। यदि किसी कर्मचारी ने दोनों रोज का प्रमाणपत्र पेश नहीं किया तो उन्हें दिसंबर २०२१ का वेतन नहीं मिल पाएगा।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में कोविड-१९ टीकाकरण अभियान प्रभावी तरीके से चलाया जा रहा है जिसमें जिला प्रशासन व जिला स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से गांव-गांव में टीकाकरण संबंधित जनजागृति करने के साथ ही टीकाकरण किया जा रहा है। जिसमें नागरिकों का भी प्रतिसाद प्राप्त हो रहा है। जिले में कोरोना संक्रमण पर मात करने के लिए जिलाधिकारी नयना गुंडे के मार्गदर्शन में टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। संक्रमण कम होने तथा सावधानी रखने की आवश्यकता है। साथ ही नियमों का कड़ाई से पालन करने व समीप के टीकाकरण केंद्र पर जाकर वैक्सीन लेने का आव्हान प्रशासन द्वारा किया गया है। गोंदिया जिले में टीकाकरण के प्रथम डोज ८९ प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। शेष ११ प्रतिशत नागरिकों के प्रथम टीकाकरण का कार्य पूर्ण करने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। दूसरा डोस लेने वालों की संख्या ५८ प्रतिशत हैं। इसके लिए एक अभियान हर घर दस्तक यह ३ नवंबर से ३१ दिसंबर २०२१ तक चलाया जा रहा है। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी प्रत्येक घरों में पहुंचकर सर्वेक्षण करते हुए कर पात्र नागरिकों को कोविड-१९ टीकाकरण के दोनों डोज लेने के लिए जनजागृति कर रहे हैं। इसी अभियान के अंतर्गत जिले के सभी शासकीय, अर्ध शासकीय, बैंक आदि विभागों के कार्यालय में कार्य करने वाले अधिकारी व कर्मचारी द्वारा कोविड-१९ टीकाकरण के दोनों डोज नियमित समय पर न लेने पर संबंधित का वेतन रोकने का आदेश जारी किया गया है।

भाजपा के रहांगडाले, दसरे, पंचभाई व राका के पारधी बागी उम्मीदवार

बुलंद गोंदिया – जिला परिषद व पंचायत समिति के लिए होने वाले चुनाव में आगामी २१ दिसंबर को मतदान किया जाएगा जिसमें १३ दिसंबर को नामांकन वापसी का अंतिम दिन होने से जिले के बागी उम्मीदवारों का चित्र स्पष्ट हो गया है। जिसमें गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाली सोनी जिप क्षेत्र में भाजपा के प्रदेश सदस्य व पूर्व जिप सदस्य सीताबाई रहांगडाले ने अपनी उम्मीदवारी निर्दलीय के रुप में कायम रखी है। वही कुरहाडी जिप क्षेत्र में बाबूलाल पंचभाई भी निर्दलीय उम्मीदवार के रुप में मैदान में है। जिससे गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाली २ जिला परिषद क्षेत्र में तथा गोंदिया तहसील की रतनारा जिप क्षेत्र से पूर्व जिप सदस्य छाया दसरे भी निर्दलीय उम्मीदवार के रुप में मैदान में है। जिससे भाजपा के उम्मीदवार को भाजपा बागी उम्मीदवारों का सामना करना पड़ेगा। वही तिरोडा तहसील के अंतर्गत आने वाली सेजगांव जिला परिषद क्षेत्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस के पूर्व पंचायत समिति उपसभापति डॉ. किशोर पारधी ने भी बगावत करते हुए निर्दलीय के रुप में मैदान में खड़े हैं। जिससे राष्ट्रवादी कांग्रेस की महिला जिला अध्यक्ष राजलक्ष्मी तुरकर की परेशानियां बढ़ चुकी है। उल्लेखनीय है कि आगामी होने वाले जिला परिषद के चुनाव में सभी पक्षों द्वारा अपने २१ पूर्व सदस्यों पर विश्वास करते हुए उन्हें फिर से मैदान में उतारा है।

विशेष यह है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्थानीय स्वराज्य संस्था के चुनाव में २७ प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को स्थगित किया है। जिस पर सभी राजनीतिक पक्ष द्वारा ओबीसी आरक्षण के बिना चुनाव ना कराए जाने की मांग को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है। जिस पर १३ दिसंबर को अंतिम सुनवाई होनी थी किंतु न्यायालय द्वारा १४ दिसंबर को सुनवाई की तारीख दी गयी। जिसके चलते सर्वोच्च न्यायालय का क्या निर्णय आता है इस पर सभी राजकीय पक्षी की नजरें टिकी हुई है। किंतु यदि चुनाव संपन्न हुए तो ओबीसी वर्ग की १० सीटों को छोड़कर ४३ सीटों पर तथा पंचायत समिति की १०६ सीटों में से २० सीटों को ओबीसी आरक्षण की कम कर ८६ सीटों पर चुनाव होगा।

नप के दैनिक वेतनकर्मियों को स्थाई करने सातवी पास की शर्त रद्द

नगर विकास मंत्रालय ने जारी किया आदेश : पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के प्रयासों से

बुलंद गोंदिया – गोंदिया नगर परिषद में वर्ष १९९३ के पूर्व कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई करने हेतु सातवी पास होने की शर्त को रद्द करने का आदेश नगर विकास मंत्रालय द्वारा जारी किया गया है। जिससे नगर परिषद में १९९३ के पूर्व कार्य कर रहे कर्मचारियों के स्थाई होने का मार्ग प्रशस्त हो गया। इसके लिए पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल द्वारा निरंतर प्रयास किया गया था। जिसके चलते राज्य सरकार द्वारा आदेश पत्र क्रमांक एमसीओ- २०१८ / प्र.क्र. १२२/नवी-१४ दिनांक ६/१२/२०२१ के तहत जारी किया है।

उल्लेखनीय है कि गत माह पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल द्वारा राज्य के नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे से भेंट कर गोंदिया नगर परिषद में १९९३ से पूर्व कार्यक्रम कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई करने हेतु सातवी पास होने की शर्त रद्द करने का अनुरोध किया था। ३० वर्षों से गोंदिया नगर परिषद में कर्मचारी कार्यरत है। अब उनके साथ में पास होने या न होने का कोई औचित्य नहीं है। साक्षर होने के आधार पर सन १९९३ के पूर्व कार्यरत इन कर्मचारियों को स्थाई करने की मांग भी की थी। जिस पर नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने इस विषय को संज्ञान में लेकर संबंधित अधिकारियों को सातवी पास की शर्त को समाप्त करते हुए, साक्षरता के आधार पर कर्मचारियों को स्थाई करने के

निर्देश दिए थे। जिसके चलते मंत्रालय द्वारा उपरोक्त आदेश पत्र जारी किया गया है।

इस मामले में नगर पालिका कर्मचारी संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल के समिति अध्यक्ष सुरेंद्र बंसोड़ के नेतृत्व में पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल से भेंट कर १९९३ के पूर्व कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को शासकीय सेवा में स्थाई करने तथा जो कर्मचारी स्थाई हो चुके हैं उन्हें पेंशन लागू करने की मांग संबंधित ज्ञापन दिया था। इस मामले में पूर्व विधायक द्वारा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे एवं नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे के समक्ष कर्मचारियों का पक्ष रख शासन से हर संभव सकारात्मक निर्णय कराने का आश्वासन प्रतिनिधि मंडल को दिया था। जिसके चलते अब नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा सकारात्मक आदेश दिए गए हैं। विशेष है कि इसके पूर्व २०० से ३०० अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई किए जाने के लिए भी सफल प्रयास किए हैं। दो-तीन वर्ष पूर्व १९९३ के बाद लगे कर्मचारियों को शासन ने स्थाई कर दिया है। अब पूर्व विधायक के प्रयत्नों से १९९३ से पूर्व लगे कर्मचारी भी स्थाई किए जाएंगे।

जिसके चलते कर्मचारियों के संगठनों द्वारा पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल का आभार व्यक्त किया जिसमें सुरेंद्र बंसोड़, नरेंद्र तिवारी, दिलीप चाचीरे, राजेश शर्मा, राजेश टेंभूरने, जितेंद्र वैष्णव, गणेश भेलावे, किशोर वर्मा, किशोर ऊके, अतुल हुद्धार, योगेश वर्मा, सुनील घोड़मारे, राजेश राणा, वसंत वैद्य, दिगंबर पाटिल, रंजीत कनोजे, प्रभूदास भिवगड़े, बेनीराम सोनवाने, पुरुषोत्तम राहंगडाले, राजू लिल्हारे, बुधराम निमजे, उमेंद्र दीप, सुनीता श्रीवास, सीमा राहंगडाले, सुमित्रा कुमार, गजेंद्र बंसोड़, राजेश जांभुलकर, नईम शेख, शरद चौरसिया, कंचन रगड़े, अमृतलाल जोशी, सुभाष देशमुख विजय जोशी ने अभिनंदन किया है।

आघाडी सरकार के पाखंड का हुआ खुलासा -सांसद सुनील मेंढे

बुलंद गोंदिया – राज्य में ओबीसी आरक्षण को लेकर राज्य की महाविकास आघाडी सरकार द्वारा केंद्र सरकार पर उंगली उठाने वह इंपीरियल डाटा समय पर जमा ना कराए जाने के चलते उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को फटकार लगाई है। जिसके चलते राज्य सरकार का पाखंड ओबीसी आरक्षण को लेकर उजागर हो गया है। जिससे राज्य सरकार का ओबीसी विरोधी चेहरा जनता के सामने आ चुका है तथा न्यायालय ने राज्य सरकार को ३ महीने के अंदर डाटा संकलन कर जमा करने का निर्देश दिया है । विशेष यह है कि राज्य सरकार द्वारा डाटा संकलन के नाम पर १० महीने का समय गवा दिया है जिसके चलते ओबीसी का आरक्षण हटाया गया है। अपनी जिम्मेदारियों से बचते हुए इस मामले में केंद्र सरकार पर उंगली उठाने की आदि हो चुकी राज्य सरकार अब जल्द से जल्द डाटा संकलन कर आरक्षण के मुद्दे को सुलझाते हुए अपना कर्तव्य का पालन करना चाहिए। ओबीसी आरक्षण को लेकर न्यायालय के निर्णय पर सांसद सुनील मेंढे द्वारा व्यक्त किया गया है।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की पुण्यतिथि पर साहित्य मंडल की विमर्श एवं कवि-गोष्ठी

शहीद रावत व अन्य शहीदों को दी गई श्रध्दांजलि

बुलंद गोंदिया – भिन्न भाषी साहित्य मंडल के तत्वावधान में राजस्थानी ब्राम्हण सभा भवन में काव्य-गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही हाल ही में दुर्घटना में शहीद हुए सेना प्रमुख रावत व अन्य सैनिकों को भी दो मिनट का मौन रख श्रध्दांजलि दी गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष राजस्थानी ब्राम्हण सभा ट्रस्ट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष बजरंगलाल शर्मा, प्रमुख अतिथि साहित्यकार पूर्व प्राचार्य डॉ. हरिनारायण चौरसिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं माँ सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया। तत्पश्चात अध्यक्ष शर्मा, मुख्य अतिथि डॉ. चौरसिया एवं साहित्य मंडल के संयोजक शशि तिवारी का स्वागत बिपिन शाह, मनोज एल.जोशी व युवराज गंगाराम द्वारा किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के पूर्व राजभाषा अधिकारी प्रमोद सोनी ने पॉवर पॉईंट प्रजेंटेशन के माध्यम से मैथिलीशरण गुप्त के प्रतित्व और व्यक्तित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। इसके साथ ही कविता में छंदों की उपयोगिता पर विमर्श भी हुआ। जिसमें मराठी भाषा के कवि समीक्षक युवराज गंगाराम, हिन्दी रचनाकार कवि प्रमोद सोनी, डॉ. हरिनारायण चौरसिया, रुपचंद जुम्हारे, वरिष्ठ कवि एवं प्रवक्ता रमेश शर्मा ने सारगर्भित विचार रखे।

दूसरे चरण में सरस काव्य-संध्या आयोजित हुई। जिसमें शशि तिवारी, वरिष्ठ कवि ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की एवं वरिष्ठ कवि प्रमोद सोनी, युवराज गंगाराम, रुपचंद जुम्हारे, सुरेश बंजारा, एड. शाहिद अंसारी, शफक, प्रकाश मिश्रा, मनोज बोरकर मुसव्विर, निखिलेशसिंह यादव, शशि तिवारी, डॉ. हरिनारायण चौरसिया एवं रमेश शर्मा ने विभिन्न रसों की उत्कृष्ट रचनाएं प्रस्तुत की। व्यंग्य, ग़ज़ल, गीतों व अन्य सामयिक रचनाओं से गोष्ठी सराबोर रही। इस अवसर पर डॉ. चौरसिया ने स्व.पं. जगदम्बाप्रसाद मिश्र हितैषी उन्नाव की चर्चा करते हुए बताया कि शहीदों की चिताओं पर जुड़ेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा, उपरोक्त पंक्तियां हितैषीजी द्वारा रचित हैं न कि रामप्रसाद बिस्मिलजी द्वारा। उन्होंने हितैषी जी की पूरी ग़ज़ल सुनाकर सभी को सत्य से अवगत कराया और हितैषी जी पर रचित अपने शोधग्रंथ पं. जगदम्बाप्रसाद मिश्र हितैषी जी के काव्य का अनुशीलन में इसकी पुष्टि किये जाने की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम का संचालन रमेश शर्मा एवं आभार प्रदर्शन मनोज जोशी ने किया। इस प्रसंग पर ओम चुलेट, गायक बिपिन शाह, रामू ढोरे, हरिश गुरुनानी, सज्जन पुरोहित अन्य साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

१२२५ दिनों से निरंतर शुरु है लायन्स क्लब द्वारा नि:शुल्क भोजन सेवा

बुलंद गोंदिया – उपचार के लिए स्थानीय केटीएस जिला रुग्णालय में आने वाले मरीज के परिजनों को खुले आसमान के नीचे खाना बनाना पडता था। या चाय-बिस्किट से गुजर करना पड़ता था। ऐसे में लायन्स क्लब गोंदिया द्वारा ०१ अगस्त २०१८ को एक नेक उद्देश्य के साथ नि:शुल्क भोजन सेवा शुरु की गई। जिसमें धीरे-धीरे लोग जुड़ना शुरु हुए और आज लायन्स भोजन सेवा का विशाल परिवार सुबह और शाम केटीएस रुग्णालय के साथ ही रिलायंस केंसर हॉस्पिटल में भी रुग्ण और उनके परिजनों को बिना रुके अपनी सेवा दे रहे है। उक्त सेवाकार्य १२२५ दिनों निरंतर जारी है।

लायन्स क्लब गोंदिया सीनियर व लायन्स क्लब गोंदिया मिडटाउन के साथ मिलकर भोजन सेवा के अलावा रुग्ण व उनके परिजनों के लिए रुग्णालय परिसर में ही आरओ के शीतल जल की व्यवस्था की है। जिसमे शीतल जल निरन्तर उपलब्ध होता है।

रिलायंस केंसर हॉस्पिटल में मरीजों के लिए खिचड़ी, दलिया, ओट्स, फल व ज्यूस के अलावा उनके साथ आये परिजनों के लिए शुद्ध सात्विक भोजन की व्यवस्था की जा रही है। आरोग्य सेवा के अंतर्गत कोरोना, बुखार, चर्मरोग व डाइबिटीज में असरकारक व इम्युनिटी बूस्टर कडूकिरायता के पैकेट्स विभिन्न लोगों को उपलब्ध कराए गए। अब तक करीब ३ लाख पैकेट्स नि:शुल्क वितरित किये जा चुके है। जिसमे करीब ५००००० लोग लाभान्वित हो चुके है। सिक बेड सर्वीस के अंतर्गत विगत २ वर्षों से जिन मरीजों को हॉस्पिटल से घर जाने के बाद रिकलाइनर पलंग, व्हीलचेयर, एयर बेड, वाटर बेड, वाकर, कमोड, चेयर आदि की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जो मरीज दवाइयां नहीं खरीद पा रहे, उनके लिए आंशिक शुल्क या नि:शुल्क दवाइया उपलब्ध की जा रही है। सड़क दुर्घटना में घायल ८ लोगो को हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जिसमें ७ की जान बचाई जा सकी।

जो लोग कोविडग्रस्त हो गए थे, घर में भोजन नहीं बना पा रहे थे और घर से बाहर नहीं जा सकते थे उनके लिए शुद्ध सात्विक भोजन की घर पहुंच नि:शुल्क सेवा दी गई। लायन्स ऑक्सीबैंक के अंतर्गत आक्सीजन की कमी को देखते हुए ८ ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर मशीन, १० ऑक्सीजन सिलेंडर व ५ ऑक्सिमिटर की व्यवस्था की गई। लायन्स कोरोना हेल्पलाइन के तहत किसी भी तरह की सेवा के लिए २४-७ उपलब्ध है।

लायन अध्यक्ष सुनीता कालुराम अग्रवाल, लायन हुकुमचंद अग्रवाल, लायन स्नेह कदम के अलावा लायन मनोज डोहरे, मनोज दुर्गानी, गणेश उजवने, मुकेश गुप्ता, वसंत अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, स्नेहित रोकड़े, संतोष कयते, प्रतीक कदम, कालुराम अग्रवाल, किरीट शाह, निखिल अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, बीपीनभाई बावीसी, पंकज पंडित का सेवा कार्य में उल्लेखनीय सहयोग निरन्तर प्राप्त है। प्राण उपयोगी सेवाओं के विस्तार के प्रयास किये जा रहे हैं। उक्त भोजन सेवा के परियोजना निर्देशक प्रतीक कदम व कालूराम अग्रवाल हैं।

नवजीवन संघ श्रीनगर ने मनाया बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम

बुलंद गोंदिया – मालवीय वार्ड श्रीनगर गोंदिया के महिला बचत गट द्वारा स्थापित नवजीवन संघ द्वारा मालवीय वार्ड में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें वार्ड की महिलाओं ने उत्साह से अपना सहयोग दिया। क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुवात की गई। इस अवसर पर महिलाओं के लिए रंगोली स्पर्धा के साथ ही विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया था।

इस अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम अंतर्गत परिसर की जरुरतमंद बालिकाओं को पेन, कॉपी, किताब व मिठाई का वितरण किया गया एव उपस्थित सभी महिलाओं ने बेटियों के विकास और संरक्षण के लिए शपथ ग्रहण किया। कार्यक्रम की सफलता के लिए नवजीवन संघ की पूनम ठाकरे, त्रिवेणी कावड़े, रुपाली रोकड़े, सुनीता डहाके, जया झाड़े, कविता बारेवार, जयश्री गंगभोज, गौरी गंगभोज, मीणा चौरागडे, गीता राऊत, शिल्पा चौरागडे, स्वाति पवार, कोमल राऊत, बेबी बिजेवार, पल्लवी गंगभोज, नीतिका गुंडगे, प्रीति सेलोकर आदि ने परिश्रम किया।

४ सदस्य प्रभाग पद्धति से हो नगर परिषद चुनाव - राजेश बघेल

बुलंद गोंदिया – गोंदिया शहर के विकास हेतु आगामी नगर परिषद के होने वाले चुनाव ४ सदस्य प्रभाग पद्धति से करवाने की मांग गोंदिया नगर परिषद के पूर्व पार्षद व युवा नेता राजेश बघेल ने महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से ई-मेल द्वारा निवेदन भेजकर की है। महाराष्ट्र राज्य में स्थानीय निकाय के आगामी होने वाले महानगर पालिका, नगर पालिका, नगर पंचायत के होने वाले चुनाव जो कि २ सदस्य प्रभाग पद्धति से करवाने का महाराष्ट्र सरकार ने आदेश पारित किया है। उसे वापस कर, फिर एक बार गोंदिया शहर के सर्वांगीण विकास हेतु ४ सदस्य प्रभाग पद्धति से आगामी चुनाव कराए जाने की मांग पूर्व पार्षद राजेश बघेल द्वारा की गई है। जिसमें उन्होंने बताया कि ४ सदस्य प्रभाग पद्धति से चुनाव होने के कारण प्रभाग के विकास में ज्यादा मदत प्रदान होगी। साथ ही समस्त समाज के लोगों को चुनावी रण संग्राम में उतरने का बराबरी का मौका मिलेगा। जिससे किसी भी जाति धर्म के लोगों के साथ में उन्हें मौका नहीं मिला इस बारे में कोई भी भ्रांति नहीं रहेगी।

संत नरहरी पत संस्था ने डकारे निवेशकों के ४.५ करोड़

मेरे रुपये जल्द नहीं मिले तो भरे चौक पर फांसी लगाकर कर लूंगा आत्महत्या - भास्कर कायरकर

संस्था कार्यालय में लगा पिछले एक साल से ताला। संचालक एक दूसरे पर जिम्मेदारी थोपकर झाड़ रहे पल्ला

एक साल से कार्यवाही के लिये घुमा रहे सहायक निबंधक और रामनगर पुलिस

बुलंद गोंदिया – देश में बैंकों की कमी के चलते लोगों के आर्थिक विकास के लिये सरकार द्वारा पत संस्थाओं के माध्यम से एक स्वर्णिम कल्पना संजोई गई थी। जिसके चलते राज्य में भारी संख्या में सैकड़ों पत संस्थाओं का निर्माण किया गया। लेकिन अनेक पत संस्थाओं ने सरकार की अच्छी सोच पर पानी फेरते हुए गरीब और साधारण निवेशकों की वर्षों की मेहनत की जमा लाखों करोड़ों की पूंजी को बर्बाद कर डाला। दिनहीन जिंदगी से शानोशौकत की जिंदगी में स्वयं को तब्दील करने के बाद अब ऐसी पत संस्थाओं के संचालक मौज की जिंदगी जी रहे हैं। उनकी पत संस्थाओं में निवेश करने वाले अब अपनी ही रकम वापस पाने के लिये दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं।

गोंदिया जिले के तिरोड़ा में एक पत संस्था के अनेक संचालक अभी जेल में जमानत के लिये तरस रहे हैं। जबकि उनसे जिनको राशि लेना है, वो अपने मेहनत की कमाई वापस पाने के लिये दर दर की ठोकरें खाते हुए आंदोलन की राह पर हैं। वहीं दूसरी ओर गोंदिया में भी एक और ऐसी पत संस्था है जिसने गरीब और साधारण निवेशकों के लगभग ४.५ करोड़ रुपये पिछले दो साल से डकार लिये हैं। निवेशकों को उनकी राशि लौटाने के लिये संत नरहरी पत संस्था के संचालक मैं तो तैयार हूं, मेरा दूसरा संचालक कुछ नहीं दे रहा कह कहकर घुमा रहे हैं। वहीं इन भ्रष्ट संचालकों के संरक्षक सहायक निबंधक और रामनगर पुलिस बने हुए हैं। जिनके द्वारा त्वरित कार्यवाही नहीं कर तथा ऑडीट में सब कुछ साफ हो जाने के बाद भी एफआईआर और कड़ी कार्रवाई संचालक सदस्यों के खिलाफ नहीं कर रहे। जिसका परिणाम है कि संत नरहरी पत संस्था के संचालक सदस्य अब उल्टे निवेशकों के सामने उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता के दावे कर रहे हैं।

गोंदिया में निवेशकों के ४.५ करोड़ लगभग का भुगतान निवेशकों को नहीं किये जाने वालों में एक बड़े निवेशक और पत संस्था के एजेंट भास्कर रामभाऊ कायरकर, तुषार करंडे, संतोषी थानेकर गौतम ने बुलंद गोंदिया को बताया कि हमने पूरी ईमानदारी से लोगों के पैसे पत संस्था में जमा कराए, जिसकी हमारे पास लिखित पास बुक और उसकी कॉपी हमने बैंक में जमा की है। परंतु संचालकों से जब हम बात करते हैं तो उसमें से कुछ संचालक अब यह कहते फिर रहे हैं कि हम संचालक नहीं है। जबकि पत संस्था का चुनाव होता है तो सरकारी अधिकारी वहां मौजूद रहता है। अधिकारी ने इनका चुनाव करवाया और जिनके नाम रिकॉर्ड में दर्ज है। अब वो जिम्मेदारी से भागने का प्रयास कर रहे हैं।

शानोशौकत भरी है संचालकों की जिंदगी..

पत संस्था के बुजुर्ग एजेंट रामभाऊ कायरकर और अन्य एजेंटों ने बताया कि पत संस्था के संचालक प्रवीण प्रमोद ढोमने, समीत कालिका, शंकर चक्रवर्ती, प्रकाश बाबूराव वड़ीचार, पंकज सुरेश वंजारी, विजय मानिकराव करंडे, नितेश दरियाव बिसेन, दिनेश नंदलाल टेकाम, बबनराव केशवराव रोकड़े, संजय परसराम खांडेकर, पंकज विश्वनाथ मेश्राम, अनिशा चंद्रकांत ढोमने, ज्योति रामभाऊ सोनवाने, वैशाली सदानंद रहांगडाले में से अधिकांश की आर्थिक स्थिति बहुत साधारण थी। परंतु २००९ से २०१७ के बीच जब पत संस्था में लोगों के करोड़ों निवेश किये गए, के बाद सबने अपने बड़े-बड़े मकान बना लिए और करोड़पति बन गए। २०१८ में फिर चुनाव हुए, जिसमें प्रवीण ढोमने, कालिका शंकर चक्रवर्ती, पंकज सुरेश, नितेश बिसेन, बबनराव रोकड़े, योगेश मेश्राम, अनिर्षा ढोमणे, अपर्णा करंडे, लेखराम चनाप, दर्शन देशभ्रतार संचालक बने। संचालकों ने सामान्य निवेशकों के करोड़ों रुपए का गबन कर अन्य प्रापर्टी व सोना-चांदी खरीद रखी है। इन सभी की सीआईडी जांच होनी चाहिए और संचालक जिन्होंने अपने नाम कुछ न कर अपने परिवार व रिश्तेदारों के नाम से बड़े निवेश किए हैं, इसकी भी संपूर्ण जांच हो। संत नरहरी पत संस्था के अभी तक २००९ और २०१८ में सभी संचालकों पर एमपीआयडी कानून के तहत कार्रवाई कर ग्राहक संरक्षण कानुन के अंतर्गत कार्रवाई कर जब तक गरीब लोगों के पैसे नहीं मिलते, तब तक इनको जमानत न देते हुए इनके द्वारा गत वर्षों में अर्जित की गई संपत्ती की निलामी कर संपूर्ण राशि निवेशकों को लौटाई जानी चाहिये।

री-ऑडीट के नाम पर एजेंट और निवेश्कों को घुमाने का काम किया जा रहा..

गौरतलब है कि पिछले १२ महीने से पत संस्था कार्यालय में ताला लगाकर कर्मचारी और संचालक रफूचक्कर हो गए है। इसकी शिकायत सहायक निबंधक व रामनगर पुलिस स्टेशन में १७ फरवरी २०२० को की गई थी। लेकिन लगभग १० माह बीत जाने के बाद भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अनेक लोग एक साथ पुलिस थाने में रिपोर्ट करने पहुंचे, शिकायत की, उसके साथ ही सहायक निबंधक के पास और डीडीआर के पास भी अनेकों बार शिकायत की गई। लेकिन री-ऑडीट के नाम पर एजेंट और निवेश्कों को घुमाने का काम किया जा रहा है। जिससे यह समझ में आ रहा है कि अपने किसी स्वार्थ की पूर्ति के चक्कर में सहायक निबंधक और डीडीआर द्वारा संत नरहरी पत संस्था के संचालकों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

मेरी मौत के लिये संचालक, सहायक निबंधक और रामनगर पुलिस होगी जिम्मेदार

पत संस्था के एजेंट भास्कर रामभाऊ कायरकर ने कहा कि पिछले दो साल से हमें घुमाया जा रहा है। लोग हमें अपनी राशि के लिये परेशान कर रहे हैं। किसी के घर में बेटी की शादी है तो कोई बिमारी से परेशान है। फिर भी बुरे वक्त पर काम आने के लिये जो रकम पत संस्था में लोगों ने जमा की थी, अब वो पाने के लिये उन्हें बार-बार हमारे दरवाजे पर चक्कर लगाना पड़ रहा है। जबकि संचालक मैं देने तैयार हूं, बाकी लोग तैयार नहीं कह कर बेवकूफ बनाने का काम कर रहे हैं। एजेंट रामभाऊ कायरकर ने कहा कि मेरे माध्यम से लगभग ६० लाख रुपये संत नरहरी पत संस्था के ऊपर बकाया है। यदि अब तुरंत हमारा पैसा नहीं लौटाया गया तो मैं सरेआम फांसी लगा लूंगा और मेरी मौत के जिम्मेदार सभी संचालक, सदस्य, सहायक निबंधक और रामनगर पुलिस के थानेदार रहेंगे। जो कि हमारी शिकायत पर संचालकों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उनको गिरफ्तार नहीं कर रहे हैं।

सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी प्रतिष्ठानों अंतर्गत शिकायत निवारण समिति का गठन जरुरी - सुजाता देशमुख

बुलंद गोंदिया – कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा अधिनियम २०१३ की धारा ४ के अनुसार, सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी, निजी प्रतिष्ठान में १० से अधिक कर्मचारी कार्य कर रहे हों तो अंतर्गत शिकायत निवारण समिति गठित करना अनिवार्य है। ऐसा प्रतिपादन जिला परिवीक्षा अधिकारी सुजाता देशमुख ने किया।

गोंदिया में नए प्रशासनिक भवन में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के कार्यालय में कार्यस्थल पर महिलाओं का लिंग अत्याचार से संरक्षण अधिनियम की आठवीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित जन जागरुकता कार्यक्रम का मार्गदर्शन करते हुए अध्यक्ष पद से बोलते हुए थे। मुख्य अतिथि जिला सांख्यिकी अधिकारी रुपेश कुमार राऊत, अधिवक्ता सुजाता, सदस्य जिला स्तरीय स्थानीय शिकायत निवारण समिति तिवारी, धीरज कुमार मेश्राम एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी जीएम गोबडे उपस्थित थे।

सुजाता देशमुख ने आगे कहा कि कानून के प्रावधानों का पालन किए बिना इस अधिनियम में जुर्माने का भी प्रावधान है। उन्होंने कहा कि यह नियोक्ता की नैतिक जिम्मेदारी है। इस समय मुख्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की सफलता के लिए राकेश नानोट, पी.पी.शहरे, आरआर टेम्भुरने, नरेश लांजेवार, कपिल टेम्भूरकर, मनीषा चौधरी, पुनेश नाकाडे और रुपेश चुंडुके ने असिस्ट किया। कार्यक्रम आयोजित करने की प्रक्रिया उपस्थित लोगों को धन्यवाद देते हुए सलाहकार तिलक सिंह गौतम, रक्षा अधिकारी डीडी महा द्वारा माना जाता है।

धान खरीदी पंजीयन की अवधि बढ़ाई

बुलंद गोंदिया – शासकीय आधारभूत धान खरीदी योजना के अंतर्गत खरीफ मौसम २०२१-२२ धान खरीदी के लिए ३१ दिसंबर २०२१ तक की समय अवधि NEML पोर्टल पर सभी किसानों को ऑनलाइन पंजीयन करने के लिए शासन द्वारा दी गई थी। किंतु उपरोक्त समय अवधि के दौरान जिले के सभी किसानों द्वारा ऑनलाइन पंजीयन पूर्णा नहीं किए जाने के चलते अनेक किसान पंजीयन से वंचित थे। जिसके चलते खरीफ मौसम में शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्र पर उनके द्वारा बिक्री नहीं की जा सकती थी। इस कारण शासन द्वारा जारी पोर्टल पर पंजीयन करने की समय अवधि २१ दिसंबर २०२१ तक बढ़ाई गई है। तब जो किसान पंजीयन से वंचित है वे समीप के शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्र पर स्वयं के चालू मौसम के सातबारा, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर आदि दस्तावेज पेश कर किसान पंजीयन करा सकते हैं। शासन की खरीदी योजना का लाभ लेने का आवाहन जिला मार्केटिंग अधिकारी अजय बिसने द्वारा किया गया है।

सुखी जीवन के लिए लोक अदालत सर्वोत्तम विकल्प है - कैलाश गजभिये

बुलंद गोंदिया – सुखी और शांतिपूर्ण समाज में संबंधों से सामुदायिक विकास होता है। स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय भारतीय संविधान में निहित हैं, आपको दिए गए अधिकार हैं। अन्याय के खिलाफ न्याय मांगने का अधिकार अगर सभी को सही समय पर न्याय मिलता है। जबकि हर कोई अमल कर रहा है व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है। इसके लिए राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से लोक अदालत का आयोजन नागरिकों और अदालती मामलों की विभिन्न शिकायतों की मध्यस्थता करके न्याय के दौरान संबंधित व्यक्ति को अदालती कार्यवाही की छोटी अवधि में न्याय हुआ है। इसमें सभी लंबित और लंबित मामले भी शामिल हैं। प्री-फाइलिंग मामलों को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए महाराष्ट्र में उच्च न्यायालय और न्यायपीठ, सभी जिला न्यायालय, तहसील न्यायालय, परिवार न्यायालय अन्य न्यायालयों, तालुकाओं और न्यायाधिकरणों में राष्ट्रीय कानून सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के आदेशानुसार दिनांक ११ दिसम्बर २०२१ नेशनल पीपुल्स कोर्ट का आयोजन किया गया है।

लोक अदालत के अवसर पर, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से कानूनी सलाह और मार्गदर्शन मुफ्त में दिया जाता है। लोक अदालत की विशेषताएं न्यायाधीशों, विशेषज्ञ वकीलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का एक बोर्ड आपकी मदद करेगा। कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। लोक अदालत के फैसले के खिलाफ कोई अपील नहीं।

कोर्ट के आदेश के अनुसार निर्णय एक अदालत द्वारा लागू किया जा सकता है। साक्ष्य, जिरह, मामलों में लंबी बहस बातों से परहेज किया जाता है। लोक अदालत में निर्णय किए गए मामलों में, कानून के अनुसार कोर्ट फीस वापस की जाती है।

-कैलाश गजभिये, सूचना सहायक, जि.सूचना का. गोंदिया

शरदचंद्र पवार का ८१ वा जन्मदिन गोंदिया में उत्साहपूर्वक मनाया गया

बुलंद गोंदिया – देश के नेता राष्ट्रवादी काँग्रेस पक्ष के संस्थापक शरदचंद्र पवार का ८१ वां जन्मदिन कार्यक्रम गोंदिया में राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी व्दारा उत्साहपूर्वक मनाया गया। सांसद प्रफुल पटेल तथा पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के मार्गदर्शन में पक्ष पदाधिकारीयो द्वारा संपूर्ण जिले में शासकीय रुग्णालयो में फल वितरण, रक्तदान शिविर सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। गोंदिया शहर में राष्ट्रवादी काँग्रेस भवन, रेलटोली में पवार के जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर जन्मदिन की बधाई दी।

मुंबई में आयोजित जन्मोत्सव कार्यक्रम के सीधे प्रसारण (वर्चुअल रेली) का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पक्ष पदाधिकारी व जन सामान्य भी बडी संख्या में उपस्थित थे। इसी के साथ संपूर्ण जिले में सभी तहसील स्थानों पर भी मुंबई में आयोजित किये गये कार्यक्रम का प्रसारण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें सभी पक्ष के समस्त घटको के पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, देवेंद्रनाथ चौबे, विनोद हरिणखेडे, अशोक सहारे, भगत ठकरानी, विनीत सहारे, सुनील भालेराव, आशा पाटील, मनोहर वालदे, विजेंदर जैन, दिपक पटेल, पुरणलाल ऊके, राजेश दवे, मयुर दरबार व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ओबीसी आरक्षण के बिना जिप, पंस एवं नगर पंचायत की चुनावी प्रक्रिया अधूरी

राष्ट्रवादी ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख

बुलंद गोंदिया – मा. सुप्रीम कोर्ट द्वारा ६ दिसंबर २०२१ को महाराष्ट्र सरकार के २७ प्रतिशत राजनीतिक आरक्षण अध्यादेश के मामले के विरुद्ध दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए मा. सर्वोच्च न्यायालय ने इस २७ प्रतिशत राजनीतिक आरक्षण अध्यादेश को स्थगिती करने का फैसला सुनाते हुए राज्य में आगामी २१ दिसंबर को होने वाले जिप, पंस व नगर पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण को रद्द कर बाकी की सीटों पर चुनाव कराने का निर्णय दिया था।

इस निर्णय के आने के बाद महाराष्ट्र राज्य के गोंदिया और भंडारा जिला परिषद तथा उसके अंतर्गत आनेवाली १५ पंचायत समिति एवं राज्य की १०५ नगर पंचायत में जारी चुनावी प्रक्रिया पर ग्रहण लग गया। अनेकों सीटों के रद्द होने पर ओबीसी समाज में आक्रोश निर्माण हो गया।

इस मामले पर महाराष्ट्र की महाविकास आघाड़ी सरकार के साथ ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद प्रफुल पटेल, ओबीसी संगठन के नेता, समता परिषद के प्रमुख एवं मंत्री छगन भुजबल सहित इस ओबीसी के २७ प्रतिशत आरक्षण को रद्द करने के फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पक्ष रखने हेतु दिल्ली का रुख कर चुके है।

गोंदिया में हुई राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेताओ की संयुक्त बैठक में उन्होंने कहा, पक्ष ओबीसी समाज के साथ पूरी ताकत से खड़ा है। राज्य सरकार द्वारा ओबीसी को अन्य राज्य की तर्ज पर अध्यादेश लाकर राजनीतिक आरक्षण दिया गया था, जिसे भाजपा के ही कुछ ओबीसी विरोधी लोगो ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका डालकर ये आरक्षण छीनने का कार्य किया है। ये भाजपा का ओबीसी विरोधी चेहरा है, जिसे अब समझ जाना जरुरी है।

एनसीपी नेताओ ने कहा हम मा. सुप्रीम कोर्ट के १३ तारीख को आने वाले आदेश का इन्जार करेंगे। सुप्रीम कोर्ट में हमारी अपील है कि चुनाव एकसाथ होने चाहिए, ओबीसी के आरक्षण के बगैर ये चुनाव अधूरा है। अगर सुप्रीम कोर्ट इस बात को मानने से इंकार करती है तो हम संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया रद्द कराने की अपील कर चुनाव आगे बढाने की मांग करेंगे।

इसके लिए हम राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से भंडारा जिले के अविनाश काशिवार के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करेंगे। जिसकी पैरवी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल करेंगे। इसके साथ ही समता परिषद से छगन भुजबल के माध्यम से वरिष्ठ अधिवक्ता जे. विलियम्स एवं राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी पैरवी करेंगे। पक्ष बैठक के दौरान पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन, पूर्व सांसद खुशाल बोपचे, पूर्व सांसद मधुकर कुकडे, पूर्व राज्यमंत्री नाना पंचबुद्धे, विधायक मनोहर चन्द्रिकापुरे, विधायक राजू कारेमोरे, पूर्व विधायक अनिल बावनकर, सुनील पुंडे, धनंजय दलाल, गंगाधर परशुरामकर, नरेश माहेश्वरी, यशवंत सोनकुसरे, प्रभाकर दोनोडे, डॉ.विकाश गभने, प्रभाकर सपाटे, योगेंद्र भगत, रविकांत बोपचे, रमेश ताराम, नरेंद्र झंझाड, केतन तुरकर, अविनाश काशीवार, चुन्नीभाऊ बेंद्रे, गणेश बरडे, रजनी गिरहेपुंजे, किशोर तरोने, बालकृष्ण पटले, लोकपाल गहाने, बालू चन्ने, देवचंद ठाकरे, तुकाराम मेंढे, योगेश सिंघनजुडे, कमलबापू बहेकार, सी.के.बिसेन, गोपाल तिराले, गोपाल तिवारी, शैलेश मयूर, लोमेश वैध, सुनील टेभरें, अंगराज समरीत, एड. मोहन राऊत, सुरेश हर्षे, रफिक खान, सुरेश बघेले, अजय गौर, राजेश भक्तवर्ती, अखिलेश सेठ, राजेश तुरकर, सदाशिव ढेंगे, विजय पारधी, बिश्राम चर्जे, करण टेकाम, रमेश गौतम, सुनील पटले, इकबाल भाई, सुशील तिराले सहित ओबीसी सेल के वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।